शर्म नहीं सम्मान है, औरत की पहचान है के नारों के साथ वार्ड सदस्यों ने दिया संदेश

विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवसः आओ खुलकर बात करें, इस गलत सोच को छोड़ने का लें संकल्प

सिटी रिपोर्टर शेखपुरा।

महिलाओं और किशोरियों को माहवारी के दौरान दिक्कतों का सामना न करना पड़े, इसलिए हर वर्ष 28 मई को विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाया जाता है। उक्त बातें जीविका के डीपीएम अनिशा गांगुली ने कही। उन्होंने कहा कि इस दिवस का उद्देश्य समाज में फैली मासिक धर्म संबंधी गलत अवधारणाओं को दूर करना, महिलाओं और किशोरियों को माहवारी प्रबंधन संबंधी सही जानकारी देना है। उन्होंने बताया कि 28 मई को सभी ब्लॉकों में जीविका दीदियां के द्वारा विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाया गया। जागरुकता रैलियां निकालकर किशोरियों और महिलाओं को मासिक धर्म के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान लोगों ने लाल बिंदी भी लगाए हुए थे। वहीं, सेंटर फॉर कैटेलाईजिंग चेंज एवं राघो सेवा संस्थान के द्वारा विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर शेखपुरा, अरियरी एवं चेवाड़ा प्रखंडों की चैम्पियन परियोजना में शामिल महिला वार्ड सदस्यों ने कोरोना महामारी से उत्पन्न समस्याओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम किया।

जागरूक करती किशोरी

रेड डॉट का श्रृंखला दिखाती महिलाये

क्या है माहवारी

राघो सेवा संस्थान के निदेशक निर्मला कुमारी ने कहा कि माहवारी नौ से 13 वर्ष की लड़कियों के शरीर में होने वाली एक सामान्य हार्मोनल प्रक्रिया है। इसके फलस्वरूप शरीर में महत्वपूर्ण परिवर्तन होते हैं। यह प्राकृतिक प्रक्रिया सभी लड़कियों में किशोरावस्था के अंतिम चरण से शुरू होकर (रजस्वला) उनके संपूर्ण प्रजनन काल (रजोनिवृत्ति पूर्व) तक जारी रहती है। आज भी बहुत सी किशोरियां मासिक धर्म के कारण स्कूल नहीं जाती है। महिलाओं को आज भी इस मुद्दे पर बात करने में झिझक होती है। आधे से ज्यादा लोगों को लगता है कि मासिक धर्म अपराध है।

मासिक धर्म को लेकर जागरूक होना जरूरी

जिला महिला अस्पताल में तैनात डाक्टर मनप्रीत कहती हैं कि मासिक धर्म के बारे में बताने वाली सबसे अच्छी जगह स्कूल हैं। यहां इस विषय को यौन शिक्षा और स्वच्छता से जोड़कर चर्चा की जा सकती है। साथ ही जागरूक और उत्साही शिक्षकों की जरूरत है, जो विद्यार्थियों को मासिक धर्म से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दे सकें। वह कहती हैं कि घर में बच्चियों की मां भी इस बारे में अपनी सोच बदलें। इस बारे में अपनी बेटियों को ठीक से बताएं, ताकि उनकी बेटी को किसी के सामने शर्मिंदा न होना पड़े।

रेड डॉट बनाकर लोगों को किया गया जागरूक

इस दौरान समुदाय के लोगों के अपने अपने हाथों में 'रेड डॉट' (लाल बिंदी) बनाकर एवं जागरुकता भरे नारों के माध्यम से विभिन्न भ्रांतियों को दूर करने एवं इस विषय पर समाज को जागृत एवं संवेदनशील करने का कार्य किया। कार्यक्रम के दौरान किशोरियों को वार्ड सदस्यों के द्वारा बिना काली पोलीथीन या अखबार में लपेटे सेनिटरी पैड का भी वितरण किया गया और उनको इस बात का एहसास कराया गया कि यह उनका अधिकार है जो छुपा कर नहीं बल्कि खुल कर लिया जाता है। महिला वार्ड सदस्यों को आशा है कि भ्रांतियों को दूर किया जाएगा।